मेट्रो-3 के टनलिंग का काम लगभग पूरा

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. कुलाबा-बांद्रा से सीपज्ड तक बन रही मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो-3 की टनलिंग का काम लगभग पूरा हो गया है. अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन के मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन पर 41वीं सफलता प्राप्त हुई. टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) तानसा-2 ने महालक्ष्मी से 832.5 मीटर की डाउनलाइन ड्राइव पूरी की. एमएमआरडीए के आयुक्त एसवीआर श्रीनिवास के अनुसार मेट्रो-3 की संपूर्ण टनलिंग का काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा. फिलहाल पूरे प्रोजेक्ट के 98.5 प्रतिशत टनलिंग का काम हो चुका है.

वेस्टर्न को सेन्ट्रल से जोड़ेगी अंडरग्राउंड मेट्रो

80%
प्लेटफार्म का काम हो गया है पूरा

95%
अंडरग्राउंड स्टेशनों की फिलिंग पूरी

पहली अंडरग्राउंड मेट्रो

1. कोलाबा-बांद्रा-सीपज्ड तक लगभग 33.50 किमी लंबी मुंबई की यह पहली अंडरग्राउंड मेट्रो.
2. मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं, इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड और 1 स्टेशन जमीन के ऊपर.
3. इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 30 हजार करोड़ है.
4. यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न को सेंट्रल लाइन से सीधे जोड़ेगी.

स्टेशनों का काम शुरू

बताया गया कि हुतात्मा चौक-सीएसएमटी स्टेशन का काफी काम हो चुका है. प्लेटफार्म का लगभग 80 प्रतिशत और कॉनकोर्स लेवल अर्थात टिकट घर के साथ स्टेशन के छत का काम भी लगभग 95 प्रतिशत हो गया है. अंडरग्राउंड स्टेशनों के फिलिंग का काम भी हो रहा है.

2023
तक ट्रायल रन का लक्ष्य

परियोजना में हुई काफी देरी

वैसे मेट्रो-3 परियोजना में काफी देर हो गई है. मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो को दो चरणों में शुरू किए जाने की योजना है. पहले चरण का ट्रायल दिसंबर 2023 तक शुरू करने का लक्ष्य है, जबकि बीकेसी से कफ परेड तक वर्ष 2024 में खोले जाने का उद्देश्य है. भूमिगत ट्रैक पर मरोल मरोशी में ट्रायल रन की योजना है. मेट्रो-3 के लिए कांजुरमार्ग में प्रस्तावित कारशेड का विवाद कायम है.